MPPSC

Madhya Pradesh Public Service Commission

Download Madhya Pradesh Public Service Commission (MPPSC) Mains 2018 Exam Question Paper

General Hindi (GS Paper – 5)

अनुक्रमांक / **Roll No.**

504235

परीक्षार्थी अपना अनुक्रमांक यहाँ लिखें।

Candidate should write his/her Roll No. here.

कुल प्रश्नों की संख्या : 10

Total No. of Questions : 10

मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 8

No. of Printed Pages : 8

M–2018–V

सामान्य हिन्दी

GENERAL HINDI

पाँचवाँ प्रश्न-पत्र

FIFTH PAPER

SEAL

समय : 3 घंटे]

Time : 3 Hours]

[पूर्णांक : 200

[Total Marks : 200

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश :

Instructions to the Candidates :

1. इस प्रश्न-पत्र में कुल दस प्रश्न हैं।

   This Question Paper consists of **ten** questions.

2. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

   All questions are compulsory.

3. प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने अंकित हैं।

   Marks for each question have been indicated on the right-hand margin.

Downloaded from: http://studymarathon.com/

4. प्रश्न संख्या **1** में कोई विकल्प नहीं है। शेष प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिया गया है।

   There is no internal choice in Question No. **1**, remaining questions carry internal choice.

5. जहाँ शब्द सीमा दी गई है उसका पालन अवश्य करें।

   Wherever word limit has been given it must be adhered to.

6. प्रश्न-पत्र के अनुसार ही प्रश्नों के उत्तर क्रमानुसार दें। एक प्रश्न के विभिन्न भागों के उत्तर अनिवार्य रूप से क्रमानुसार लिखें तथा उनके बीच अन्य प्रश्नों के उत्तर ना लिखें।

   Question should be answered exactly in the order in which they appear in the question paper. Answer to the various parts of the same queston should be written together compulsorily and no answer of the other question should be inserted between them.

Downloaded from: http://studymarathon.com/

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं।

1. इन लघु उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर अधिकतम *50* शब्दों में (*1* या *2* पंक्तियों में) दीजिए : 3×20=60

(a) शौरसेनी अपभ्रंश के नागर रूप से निकलने वाली दो आधुनिक भाषाओं के नाम लिखिए।

(b) 'मेवाती बोली' किस उपभाषा के अंतर्गत आती है?

(c) 'खड़ी बोली' का सर्वाधिक उपयुक्त प्राचीन नाम लिखिए।

(d) राजभाषा-संबंधी प्रावधान भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद में वर्णित है?

(e) 'दन्तोष्ठ्य' वर्ण किसे कहते हैं? उदाहरण द्वारा स्पष्ट कीजिए।

(f) 'अनौपचारिक-पत्र' किसे कहते हैं?

(g) 'प्रारूप लेखन' की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए।

(h) 'लोकोक्ति' को परिभाषित कीजिए।

(i) 'भाषा' और 'बोली' में क्या अंतर है?

(j) 'यण् संधि' किसे कहते हैं? उदाहरण द्वारा स्पष्ट कीजिए।

(k) देवनागरी लिपि की तीन विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

(l) 'सिंधी' भाषा को किस संविधान संशोधन के तहत शामिल किया गया है?

(m) 'संकर शब्द' किसे कहते हैं? दो उदाहरण लिखिए।

(n) 'परसर्ग' किसे कहते हैं? दो उदाहरण लिखकर स्पष्ट कीजिए।

(o) अनुनासिक एवं अनुस्वार किसे कहते हैं? दो-दो उदाहरण लिखिए।

(p) कर्मधारय एवं बहुव्रीहि समास में अंतर लिखिए। एक-एक उदाहरण दीजिए।

(q) 'हंस पद' किसे कहते हैं? दो उदाहरण लिखिए।

(r) राजभाषा अधिनियम, 1976 का उल्लेख कीजिए।

(s) मूलनिष्ठ और मूलाश्रित अनुवाद किसे कहते हैं? स्पष्ट कीजिए।

(t) 'संपर्क भाषा' किसे कहते हैं?

Downloaded from: http://studymarathon.com/

2. निम्नलिखित गद्यावतरण का हिन्दी से अंग्रेजी में अनुवाद कीजिए : 20

संसार में कदाचित् ही कोई ऐसी इमारत होगी, जो सौन्दर्य और वैभव में ताजमहल की बराबरी कर सकती हो। यह एक सुंदर उद्यान से घिरा हुआ है। संतरी की भाँति खड़े हुए सरो के वृक्ष वायु को सुगन्धित करते हुए खिले पुष्प, संगमरमर के हौज में मछलियों का आह्लादपूर्ण नृत्य और सामने उल्लास से क्रीड़ा करते हुए फौव्वारे, इस भव्य भवन का बहुत ही उपयुक्त वातावरण बनाते हैं। एक लेखक कहता है—"यह इतना स्वच्छ, इतना पवित्र जान पड़ता है कि मनुष्यों के हाथों द्वारा निर्मित नहीं जान पड़ता। देवदूत इसे स्वर्ग से लाये होंगे और इस पर काँच का एक आवरण बना देना चाहिए जिससे यह वायु की प्रत्येक श्वास से सुरक्षित रहे।"

अथवा

समय पर कार्य करना, कहीं भी समय पर जाना इसे समय की पाबंदी कहा जाता है, जो कोई भी एक मिनट भी समय व्यर्थ नहीं करता है, उसे समय का पाबंद कहा जाता है। यदि तुम समय व्यर्थ करते हो, तो समय तुम्हें नष्ट कर देगा। जो कोई भी समय का महत्त्व जानता है वह कभी अपना एक मिनट भी व्यर्थ नहीं करता है। जो हमेशा समय का पाबंद होता है वह उसकी नौकरी में उसके अधिकारी द्वारा अच्छा कर्मचारी समझा जाता है। इससे उसका समाज, मित्रों व रिश्तेदारों में रुतबा बढ़ता है।

3. निम्नलिखित अंग्रेजी गद्यावतरण का हिन्दी में अनुवाद कीजिए : 15

Life in modern city is tiring. It keeps the mind in a state of uneasiness. Business has to be disposed of quickly and accurately. The noise makes our mind restless. The ever present crowed of people distracts our attention. That is the reason why city dwellers have to seek recreation.

Villages have their own recreations but they are natural not artificial. The village labourer use his body more than his brain. His work puts more strain on his body, therefore he enjoys sound sleep at night. The peaceful and clean atmosphere of the village quickly removes physical fatigue. When the labourer get up in the morning, he feels spurt of liveliness. The peaceful atmosphere of the village does not put strain on our nerves. The sight of green fields, quietness and the murmur of running water offered us rest and pleasure.

अथवा

Until recently the environment has been largely taken for granted—that it will continue, as it always had, to support our life and livelihood, providing the air that we breathe, the water that we drink, the food that we eat, and much of our industrial raw material. This is our biological capital, the basic advanced technology will come to naught and any economic and political integrity of this biological capital is technology itself.

Downloaded from: http://studymarathon.com/

4. निम्नलिखित गद्यांश का एक-तिहाई शब्दों में संक्षेपण कीजिए तथा रेखांकित पंक्तियों का भाव-पल्लवन अपने शब्दों में कीजिए : 10+5=15

युवाशक्ति का आर्थिक क्षेत्र में मुख्य योगदान रहा है। आर्थिक क्षेत्र में मुख्य आधार युवाशक्ति है। किसी भी राष्ट्र की आर्थिक व्यवस्था सुदृढ़ अथवा कमजोर होने का श्रेय युवाशक्ति को जाता है। भारत एक विशाल देश है जहाँ 80% जनता गाँवों में निवास करती है। आर्थिक दृष्टि से आज भी ग्रामीण क्षेत्र पिछड़ा हुआ दृष्टिगोचर होता है। राष्ट्र को अन्न देने वाला किसान निर्धन अवस्था में रहता है तथा देश की पूँजी कुछ ही लोगों के हाथों में जाकर समा जाती है। पूँजीपति की पूँजी बढ़ती जा रही है तथा गरीब और गरीब होता जा रहा है। इस बिगड़ी हुई स्थिति एवं व्यवस्था को मिटाने के लिए युवाशक्ति ही चेतना ला सकती है।

अथवा

मानव जीवन में अभ्यास का बहुत महत्त्व होता है। निरंतर अभ्यास से व्यक्ति किसी भी कला में निपुणता तथा कौशल प्राप्त कर सकता है। अभ्यास के बल पर वह कठिन से कठिन कार्य को भी सरल बना सकता है। कालिदास, अर्जुन, एकलव्य इसके उदाहरण हैं। उन्होंने सतत अभ्यास के बल पर निपुणता हासिल की। अनेक प्रकार की ललित कलाओं में भी अभ्यास का महत्त्व असंदिग्ध है। संगीत, नृत्य जैसी कलाएँ तो अभ्यास के बिना आ ही नहीं सकती। भारत के प्रसिद्ध खिलाड़ी ध्यानचंद के जादू का एकमात्र कारण उनका सतत अभ्यास ही था।

5. स्वयं को जिलाधिकारी, इंदौर मानते हुए एक कार्यालय आदेश निर्गत करें, जिसमें समस्त लिपिकों को कार्यालयी-पत्रावली घर ले जाने की अनुमति न हो। 15

अथवा

इंदौर पब्लिक स्कूल, इंदौर के लिए हिन्दी, विज्ञान और कम्प्यूटर शिक्षकों की आवश्यकता है। योग्यता कम-से-कम ऑनर्स द्वितीय श्रेणी तथा तीन वर्षों का शिक्षण अनुभव अनिवार्य है। आकर्षक वेतनमान/अनुभवी शिक्षकों को प्राथमिकता। प्रार्थना-पत्र 30 जून, 2018 तक प्राचार्य के पास पंजीकृत डाक से भेजें। उक्त आशय का प्रार्थना-पत्र लिखकर प्राचार्य की ओर से टिप्पणी लिखें।

6. निम्नलिखित अंग्रेजी शब्दों में से किन्हीं **पाँच** के हिन्दी पारिभाषिक रूप लिखिए : 15

(a) Abstract
(b) Enclosure
(c) Cadre
(d) Judicial stamp
(e) Communique
(f) Privilege leave
(g) Subsistence
(h) Tribunal
(i) Probation
(j) Clearing

Downloaded from: http://studymarathon.com/

अथवा

निम्नलिखित हिन्दी शब्दों में से किन्हीं **पाँच** के अंग्रेजी पारिभाषिक शब्द लिखिए :

(a) आवर्ती

(b) अनुचर

(c) प्राधिकृत

(d) अधिलाभांश

(e) निर्जलीकरण

(f) निर्देशिका

(g) उद्यम

(h) अनुलिपि

(i) राजपत्र/गजट

(j) समीक्षा

7. निम्नलिखित मुहावरों/कहावतों में से किन्हीं **पाँच** का अर्थ स्पष्ट करते हुए उनका वाक्यों में प्रयोग कीजिए : 3×5=15

(a) पानी-पानी होना

(b) कच्चा चिट्ठा खोलना

(c) तिल का ताड़ करना

(d) धब्बा लगना

(e) जमीन पर पाँव न पड़ना

(f) लहू का घूँट पीना

(g) हाथ-पैर फूल जाना

(h) साँच को आँच नहीं

(i) कान पर जूँ न रेंगना

(j) जबान पर लगाम न होना

Downloaded from: http://studymarathon.com/

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** के उत्तर दीजिए : 3×5=15

(a) 'वधू+आगमन' की संधि कीजिए।

(b) 'चमन' का संधि-विच्छेद कीजिए।

(c) 'अमृतधारा' में कौन-सा समास है?

(d) 'पटु' का समानार्थी शब्द लिखिए।

(e) 'शुक' के तीन पर्यायवाची शब्द लिखिए।

(f) 'उर्वरा' का विलोम शब्द लिखिए।

(g) 'परक' और 'परख' के अर्थ स्पष्ट कीजिए।

(h) 'जेठ' शब्द का तत्सम रूप लिखिए।

(i) 'पर्यंक' शब्द का तद्भव रूप लिखिए।

(j) 'अपूर्ण विराम चिह्न' को अंकित करते हुए दो उदाहरणों द्वारा स्पष्ट कीजिए।

9. निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 3×5=15

भारतीय दर्शन सिखाता है कि जीवन का एक आशय और लक्ष्य है, उस आशय की खोज हमारा दायित्व है और अंत में उस लक्ष्य को प्राप्त कर लेना, हमारा विशेष अधिकार है। इस प्रकार दर्शन जो कि आशय को उद्घाटित करने की कोशिश करता है और जहाँ तक उसे इसमें सफलता मिलती है, वह इस लक्ष्य तक अग्रसर होने की प्रक्रिया है। कुल मिलाकर आखिर यह लक्ष्य क्या है? इस अर्थ में यथार्थ की प्राप्ति वह है जिसमें पा लेना, केवल जानना नहीं है, बल्कि उसी का अंश हो जाना है। इस उपलब्धि में बाधा क्या है? बाधाएँ कई हैं, पर इनमें प्रमुख है—अज्ञान। अशिक्षित आत्मा नहीं है, यहाँ तक कि यथार्थ संसार भी नहीं है। यह दर्शन ही है जो उसे शिक्षित करता है और अपनी शिक्षा से उसे उस अज्ञान से मुक्ति दिलाता है, जो यथार्थ दर्शन नहीं होने देता। इस प्रकार एक दार्शनिक होना एक बौद्धिक अनुगमन करना नहीं है, बल्कि एक शक्तिप्रद अनुशासन पर चलना है, क्योंकि सत्य की खोज में लगे हुए सही दार्शनिक को अपने जीवन में इस प्रकार आचरित करना पड़ता है ताकि उस यथार्थ से एकाकार हो जाए जिसे वह खोज रहा है। वास्तव में, यही जीवन का एक मात्र सही मार्ग है और सभी दार्शनिकों को इसका पालन करना होता है, और दार्शनिक ही नहीं, बल्कि सभी मनुष्यों को, क्योंकि सभी मनुष्यों के दायित्व और नियति एक ही हैं।

(a) भारतीय दर्शन किस लक्ष्य की ओर संकेत करता है?

(b) लक्ष्य प्राप्त करने में प्रमुख बाधा क्या है?

(c) जीवन का एकमात्र उद्देश्य क्या है?

(d) 'अनुशासन' शब्द में उपसर्ग एवं मूलशब्द क्या हैं?

(e) इस गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिए।

Downloaded from: http://studymarathon.com/

अथवा

मानव जाति ने अपने उद्‌भव काल से ही प्रकृति की गोद में और उसी से अपने भरण-पोषण की सामग्री प्राप्त की। सभी प्रकार के वन्य या प्राकृतिक उपादान ही उसके जीवन और जीविका के एकमात्र साधन थे। प्रकृति ने ही मानव जीवन को संरक्षण प्रदान किया। रामचंद्र, सीता व लक्ष्मण ने भी पंचवटी नामक स्थान पर कुटिया बनाकर वनवास का लम्बा समय व्यतीत किया था। वृक्षों की लकड़ी से मानव अनेक प्रकार के लाभ उठाता है। उसने लकड़ी को ईंधन के रूप में प्रयुक्त किया। इससे मकान व झोपड़ियाँ बनाई। इमारती लकड़ी से भवन-निर्माण, कृषि-यंत्र, परिवहन जैसे रथ, ट्रक तथा रेलों के डिब्बे तथा फर्नीचर आदि बनाए जाते हैं। कोयला भी लकड़ी का प्रतिरूप है। वृक्षों की लकड़ी तथा उसके उत्पाद; जैसे—नारियल का जूट, लकड़ी का बुरादा, चीड़ की लकड़ी आदि का प्रयोग फल, काँच के बर्तन आदि नाजुक पदार्थों की पैकिंग में किया जाता है। इस प्रकार वृक्षों से विभिन्न प्रत्यक्ष लाभों के अतिरिक्त परोक्ष फायदे भी हैं। जीवनदायिनी ऑक्सीजन पेड़ों से प्राप्त होती है। वृक्षों के आधिक्य से बाढ़ नियंत्रण में सहायता मिलती है।

(a) आदिकाल में मानव जीवन किस पर आधारित था?

(b) 'लकड़ी' का प्रतिरूप क्या है?

(c) वृक्षों से परोक्ष फायदा किसमें हो सकता है?

(d) 'पंचवटी' का समास विग्रह क्या है?

(e) इस गद्यांश का सटीक एवं उचित शीर्षक लिखिए।

10. पंजाब नैशनल बैंक, भोपाल की एक शाखा में लगातार तीन वर्षों से हानि का उल्लेख करते हुए प्रतिवेदन का प्रारूप प्रस्तुत कीजिए। 15

अथवा

स्वयं को कुलसचिव, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर का मानते हुए सत्र 2017–18 की मुख्य परीक्षा के लिए आवेदन-पत्र जमा कराने हेतु परीक्षार्थियों के लिए 'अधिसूचना' प्रकाशित कराने का एक प्रारूप तैयार कीजिए।

★★★

Downloaded from: http://studymarathon.com/